

| | |
|--|--|
| | जबकि वित्त विभाग रफी अहमद किदवई को सौंपा गया था। |
| 75. वह चोल राजा कौन था, जिसने श्रीलंका को पूर्ण स्वतन्त्रता दी और सिंहल राजकुमार के साथ अपनी पुत्री का विवाह कर दिया था? (a) कुलोत्तुंग । (b) राजेन्द्र । (c) अधिराजेन्द्र (d) राजाधिराज । | उत्तर-(a)व्याख्या- -श्रीलंका के राजा विजयबाहु ने कुलोत्तुंग प्रथम के समय में अपनी स्वतन्त्रता घोषित की थी, परन्तु कुलोत्तुंग प्रथम ने श्रीलंका में चोल प्रभाव की समाप्ति के प्रति किसी कटुता का प्रदर्शन नहीं किया तथा उसने अपनी पुत्री का विवाह श्रीलंका के राजकुमार वीरप्पेरुमाल के साथ कर दिया। |
| 76. निम्नलिखित में से किन आन्दोलनों ने महिलाओं को घर की चार दिवारी से बाहर निकाला ? 1. स्वदेशी आन्दोलन 2. होमरूल आन्दोलन 3. असहयोग आन्दोलन 4. सविनय अवज्ञा आन्दोलन कूट (a) 1 और 3 (b) 2 और 4 (c) 3 और 4 (d) 1, 2, 3, और 4 | उत्तर- (d)- जिसमें जमींदार शहरी निम्न मध्य वर्ग, छात्र तथा औरतें शामिल थीं। स्वदेशी आन्दोलन के समय पहली बार महिलाओं ने परदे से बाहर आकर धरनों और प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। इसके बाद से वे सभी राष्ट्रीय आन्दोलनों-होमरूल, सहयोग एवं सविनय अवज्ञा में सक्रिय रहीं। |

| | |
|--|--|
| <p>77. प्रथम महायुद्ध के दौरान कहाँ पर भारत की एक अनन्तिम सरकार बनी थी, जिसके प्रेसीडेण्ट राजा महेन्द्र प्रताप थे?</p> <p>(a) अफगानिस्तान में (b) जर्मनी में (c) सिंगापुर में (d) तुर्की में</p> | <p>उत्तर- (a) व्याख्या - प्रथम महायुद्ध के दौरान वर्ष 1915 में अफगानिस्तान में राजा महेन्द्र प्रताप ने अपने सहयोगी बरकतुल्ला के साथ मिलकर भारत की प्रथम अस्थायी सरकार का गठन किया था। इस सरकार के अध्यक्ष राजा महेन्द्र प्रताप स्वयं थे।</p> |
| <p>78. वे राष्ट्रीय नेता कौन थे, जो वर्ष 1925 में सेण्ट्रल लेजिस्लेटिव एसेम्बली के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे?</p> <p>(a) मोतीलाल नेहरू (b) वल्लभ भाई पटेल (c) सी आर दास (d) विठ्ठलभाई पटेल</p> | <p>उत्तर – (d) → व्याख्या- - सेण्ट्रल लेजिस्लेटिव एसेम्बली के प्रथम भारतीय अध्यक्ष (स्पीकर) विठ्ठलभाई पटेल थे, जो वर्ष 1925 में इसके अध्यक्ष बने। ये स्वराज पार्टी के सह-संस्थापक थे।</p> |

| | |
|--|--|
| <p>79. राममोहन राय को राजा की उपाधि किसने दी थी?</p> <p>(a) लॉर्ड विलियम बैंटिक ने (b) अकबर II ने (c) ब्रह्म समाज के अनुयायियों ने (d) सती प्रथा का विरोध करने वाले बुद्धिजीवियों ने</p> | <p>उत्तर-(b) मुगल बादशाह अकबर द्वितीय (II) ने राजा राममोहन राय को राजा की उपाधि के साथ अपने दूत के रूप में 1830 में तत्कालीन ब्रिटिश सम्राट विलियम चतुर्थ के दरबार में भेजा था। राय को इंग्लैण्ड में सम्राट से मुगल बादशाह अकबर द्वितीय को मिलने वाली पेंशन की मात्रा बढ़ाने पर बातचीत करनी थी। इंग्लैण्ड के ब्रिस्टल में ही उनकी मृत्यु हो गई।</p> |
| <p>80. पानीपत का प्रथम युद्ध हुआ था</p> <p>(a) बाबर एवं इब्राहीम लोदी के मध्य (b) बाबर एवं राणा सांगा के मध्य (c) शेरशाह सूरी एवं अकबर के मध्य (d) हुमायूँ एवं इब्राहीम लोदी के मध्य</p> | <p>उत्तर- (a)</p> <ul style="list-style-type: none">● व्याख्या-पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल, 1526 को इब्राहीम लोदी एवं बाबर के बीच हुआ था। इस युद्ध में बाबर विजयी हुआ। उसकी विजय का मुख्य कारण उसका तोपखाना एवं कुशलसेनापतित्व था। बाबर ने उज्जनेको की युद्ध नीति, तुलगुमा युद्ध पद्धति तथा तोपों को सजाने में उस्मानी विधि का प्रयोग किया था। |

| | |
|---|--|
| <p>81. टोडरमल सम्बन्धित थे</p> <p>(a) कानून से (b) मालगुजारी सुधारों से (c) साहित्य से (d) संगीत से</p> | <p>उत्तर - (b) -व्याख्या- टोडरमल मालगुजारी सुधारों से सम्बन्धित थे। 'टोडरमल बन्दोबस्त' के वास्तविक प्रणेता टोडरमल थे। इस प्रणाली के अन्तर्गत अलग-अलग फसलों के पिछले दस वर्ष के उत्पादन और उसी समय के उनके प्रचलित मूल्यों का औसत निकाल कर उस औसत का एक-तिहाई हिस्सा राजस्व के रूप में वसूला जाता था।</p> |
| <p>82. सुमेलित कीजिए</p> <p>सूची I</p> <p>A. हल्दी घाटी का युद्ध B. बिलग्राम का युद्ध C. खुसरो का विद्रोह D. खानवा का युद्ध</p> <p>सूची II</p> <p>1. बाबर 2. अकबर 3. हुमायूँ 4. जहाँगीर</p> | <p>उत्तर- - (a) व्याख्यासही सुमेलन इस प्रकार है हल्दी घाटी का युद्ध-अकबर (राणा प्रताप के विरुद्ध) बिलग्राम का युद्ध हुमायूँ (शेरशाह के विरुद्ध) खुसरो का विद्रोह जहाँगीर खानवा का युद्ध बाबर (राणा सांगा के विरुद्ध)</p> |

| | |
|---|---|
| <p>83. पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठों को पराजित किया था (a) मुगलों ने</p> <p>(c) अंग्रेजों ने</p> <p>(b) अफगानों ने (d) रोहिल्लों ने</p> | <p>उत्तर-(b)पानीपत के तीसरे युद्ध में मराठों को अफगानों ने पराजित किया था। पानीपत का तृतीय युद्ध मुख्यतः दो कारणों का परिणाम रहा। प्रथम, नादिरशाह की भांति अहमदशाह अब्दाली भी भारत को लूटना चाहता था। दूसरा मराठे हिन्दू पादशाही की भावना से प्रेरित होकर दिल्ली पर प्रभाव स्थापित करना चाहते थे।</p> |
| <p>84. वह हड़प्पीय नगर, जिसका प्रतिनिधित्व लोथल का पुरातत्व स्थल करता है, किस नदी पर स्थित था?</p> <p>(a) नर्मदा</p> <p>(b) माही</p> <p>(c) भोगवा</p> <p>(d) भीमा</p> | <p>उत्तर-(c) व्याख्या- अहमदाबाद जिले (गुजरात) के सरागवाला ग्राम से 80 किमी दक्षिण में भोगवा नदी के तट पर स्थित लोथल स्थल की सर्वप्रथम खोज डॉ. एस आर राव ने वर्ष 1957 में की थी। सागर तट पर स्थित यह स्थल पश्चिमी एशिया से व्यापार का प्रमुख बन्दरगाह था। लोथल के उत्खननकर्ता राव थे।</p> |

85. *1802 की बेसिन की सन्धि' पर हस्ताक्षर किसके मध्य हुए थे?

- (a) अंग्रेज तथा बाजीराव ।
- (b) अंग्रेज तथा बाजीराव ॥
- (c) फ्रांसीसी तथा बाजीराव ।
- (d) डच तथा बाजीराव ॥

उत्तर-(b)

व्याख्या-1802 ई. की बेसिन की सन्धि पर हस्ताक्षर अंग्रेज तथा बाजीराव ॥ के मध्य हुए थे। इस सहायक सन्धि के तहत बाजीराव द्वितीय ने अंग्रेजों की संरक्षकता स्वीकार कर ली। इस सन्धि की शर्तों के अनुसार अंग्रेजों ने पेशवा को पूना में पुनः स्थापित करने के साथ लगभग 60 हजार सैनिक पेशवा की रक्षा हेतु उसके राज्य में रखने का वायदा किया, जबकि इसके बदले में पेशवा ने अंग्रेजों को ₹26 लाख वार्षिक आय वाले क्षेत्र प्रदान करने पर सहमति जताई।

86. दिल्ली सल्तनत का सर्वाधिक विद्वान् शासक, जो खगोलशास्त्र, गणित एवं आयुर्विज्ञान सहित अनेक विद्याओं में माहिर था

- (a) इल्तुतमिश
- (b) अलाउद्दीन खिलजी
- (c) मोहम्मद-बिन-तुगलक
- (d) सिकन्दर लोदी

उत्तर-(c) दिल्ली सल्तनत के सुल्तानों में मोहम्मद-बिन-तुगलक सर्वाधिक विलक्षण व्यक्तित्व वाला शासक था। वह अरबी एवं फारसी का महान् विद्वान् एवं ज्ञान, विज्ञान की विभिन्न विधाओं; जैसे- खगोलशास्त्र, गणित, चिकित्सा, दर्शन, तर्कशास्त्र आदि में पारंगत था।

87. चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किस शासक के समय भारत की यात्रा की थी?

- (a) चन्द्रगुप्त द्वितीय
- (b) हर्ष
- (c) धनदेव
- (d) स्कन्दगुप्त

उत्तर-(b) व्याख्या प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षुक ह्वेनसांग सम्राट हर्षवर्द्धन के शासनकाल में भारत आया। 'तीर्थयात्रियों के राजकुमार' के नाम से प्रसिद्ध इस चीनी बौद्ध भिक्षुक ने कई वर्ष भारत में रहकर नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययन किया। इसने हर्ष को शिलादित्य नाम से अभिहित किया था।

88. निम्नलिखित में से किसने बड़ी बुद्धिमानी के साथ अलीपुर षड्यन्त्र मामले में अरविन्द घोष का बचाव किया?

- (a) चितरंजन दास
- (b) डब्ल्यू सी बनर्जी
- (c) मोतीलाल नेहरू
- (d) तेज बहादुर सप्रू

उत्तर- (a) व्याख्या-अलीपुर षड्यन्त्र मामले (वर्ष 1908) में अरविन्द घोष और उनके भाई बारीन्द्र घोष सहित 34 लोग अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार हुए थे। इस मामले में 15 लोगों को सजा हुई थी, परन्तु अरविन्द घोष रिहा कर दिए गए थे। इस मामले में अरविन्द घोष का बचाव एड़ी-चोटी का जोर लगाकर चितरंजन दास ने किया था। अलीपुर षड्यन्त्र मामले में ही सरकारी गवाह नरेन्द्र गोसाई की कन्हाई लाल दत्त और सत्येन्द्र बोस ने जेल में

गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसके कारण उन्हें फाँसी की सजा हुई थी।

89. निम्नलिखित में से कौन-सा युद्ध भारत में अंग्रेजों के आधिपत्य की स्थापना की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण समझा जाता है?

- (a) बक्सर
- (c) श्रीरंगपट्टम
- (b) प्लासी
- (d) वाण्डिवाश

उत्तर- (a) व्याख्या-22 अक्टूबर, 1764 को अंग्रेजों ने बंगाल के नवाब मीर कासिम, अवध के नवाब शुजाउद्दौला तथा दिल्ली के मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय की सम्मिलित सेना को बक्सर के युद्ध में परास्त किया। बक्सर के युद्ध का ऐतिहासिक दृष्टि से प्लासी के युद्ध से भी अधिक महत्व है, क्योंकि इस युद्ध के परिणाम से तत्कालीन प्रमुख भारतीय शक्तियों की संयुक्त सेना के विरुद्ध अंग्रेजी सेना की श्रेष्ठता प्रमाणित होती है।

| | |
|---|---|
| <p>90. 'एक वर्ष में स्वराज' का नारा गाँधीजी ने कब दिया?</p> <p>(a) दाण्डी मार्च के समय (b) असहयोग आन्दोलन के समय (c) सविनय अवज्ञा आन्दोलन के समय (d) गोलमेज सम्मेलन के समय</p> | <p>उत्तर-(b)व्याख्या-असहयोग आन्दोलन सम्बन्धी प्रस्ताव का दिसम्बर, फोर 1920 में नागपुर में हुए कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन में पुष्टि की गई। इसके तहत गांधीजी ने 'एक वर्ष में स्वराज' का नारा दिया।</p> |
| <p>91. निम्नलिखित में से किसके द्वारा जलियाँवाला बाग काण्ड के विरोध में 'सर' की उपाधि त्यागी गई?</p> <p>(a) महात्मा गाँधी (b) रवीन्द्रनाथ टैगोर (c) जवाहरलाल नेहरू (d) तेज बहादुर सप्रू</p> | <p>उत्तर-(c)● व्याख्या- जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड के विरोध में महात्मा गाँधी ने 'कैसर-ए-हिन्द' की उपाधि, रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 'सर' की उपाधि जमनालाल बजाज ने 'राय बहादुर' की उपाधि त्याग दी थी तथा वायसराय की कार्यकारिणी के सदस्य शंकर नायर ने त्याग-पत्र दे दिया था।</p> |
| <p>92. निम्नलिखित में से कौन मौर्ययुगीन अधिकारी तौलमान का प्रभारी था?</p> <p>(a) पौतवाध्यक्ष (b) सीताध्यक्ष (c) पण्याध्यक्ष (d) सूनाध्यक्ष</p> | <p>उत्तर- (a) · व्याख्या -मौर्ययुगीन अधिकारी पौतवाध्यक्ष तौलमान का प्रभारी था। पण्याध्यक्ष वाणिज्य विभाग, सीताध्यक्ष कृषि विभाग तथा सूनाध्यक्ष बूचड़खाने के प्रभारी थे।</p> |

| | |
|--|---|
| <p>93. बाल गंगाधर तिलक को लोकमान्य विशेषण कब दिया गया?</p> <p>(a) स्वदेशी आन्दोलन (b) क्रान्तिकारी आन्दोलन (c) होमरूल आन्दोलन (d) भारत छोड़ो आन्दोलन</p> | <p>उत्तर-(c)व्याख्या-16 जून, 1914 को तिलक आठ वर्ष के कारावास के बाद जेल से रिहा हुए। तिलक और एनी बेसेन्ट ने मिलकर भारत में होमरूल लीग आन्दोलन करने की दिशा में प्रसार शुरू किया। होमरूल आन्दोलन के दौरान बाल गंगाधर तिलक को लोकमान्य विशेषण दिया गया।</p> |
| <p>94. निम्नलिखित वंशों ने किस क्रम में दिल्ली पर शासन किया था?</p> <p>1. खिलजी 2. लोदी 3. सैयद 4. गुलाम कूट</p> <p>(a) 1, 2, 4, 3 (c) 2, 3, 4, 1 (b) 1,2,3,4 (d) 4, 1, 3, 2</p> | <p>उत्तर-(d) • व्याख्या-दिल्ली पर शासन करने वाले वंशों के शासन का सही क्रम था- गुलाम-खिलजी सैयद लोदी। दिल्ली सल्तनत का कार्यकाल 1206 ई. से 1526 ई. तक रहा।</p> |

| | |
|--|---|
| <p>95. कौटिल्य का अर्थशास्त्र है, एक</p> <p>(a) चन्द्रगुप्त मौर्य के सम्बन्ध में नाटक (b) आत्मकथा</p> <p>(c) चन्द्रगुप्त मौर्य का इतिहास (d) शासन के सिद्धान्तों की पुस्तक</p> | <p>उत्तर- (d) -कौटिल्य का अर्थशास्त्र शासन के सिद्धान्तों की पुस्तक व्याख्या है। यह मौर्य प्रशासन के अतिरिक्त चन्द्रगुप्त मौर्य के व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। अर्थशास्त्र में शीर्षस्थ अधिकारियों को 'तीर्थ' कहा गया है। इनकी संख्या अट्ठारह थी। अधिकांश स्थलों पर इन महामात्य की संज्ञा दी गई है।</p> |
| <p>96. औरंगजेब की 1707 ई. में मृत्यु होने के बाद सत्ता किसने सँभाली?</p> <p>(a) बहादुर शाह प्रथम ने</p> <p>(b) जहाँदार शाह ने</p> <p>(c) मोहम्मद शाह ने</p> <p>(d) अकबर द्वितीय ने</p> | <p>उत्तर- (a) 1707 ई. में औरंगजेब के बाद उसके पुत्रों मोअज्जम, मोहम्मद आजम और मोहम्मद कामबख्श में उत्तराधिकार के लिए युद्ध हुआ। बाद में मोअज्जम बहादुर शाह, 'प्रथम' की उपाधि के साथ दिल्ली के तख्त पर बैठा।</p> |

| | |
|--|---|
| <p>97. अंग्रेजों द्वारा सिन्ध विजय सम्पन्न हुई</p> <p>(a) लॉर्ड एलनबरो के समय (b) लॉर्ड होर्डिंग्स के समय (c) लॉर्ड ऑकलैण्ड के समय (d) लॉर्ड एमहर्स्ट के समय</p> | <p>उत्तर-- (a) • व्याख्या- अंग्रेजों द्वारा सिन्ध विजय कर अंग्रेजी राज्य में अगस्त, 1843 में चार्ल्स नेपियर के नेतृत्व में विलय कर लिया गया। एलनबरो का कार्यकाल 'कुशल अकर्मण्यता की नीति' का काल कहा जाता है।</p> |
| <p>98. चित्रकला की मुगल शैली को आरम्भ किया था</p> <p>(a) जहाँगीर ने (b) अकबर ने (c) शाहजहाँ ने (d) हुमायूँ ने</p> | <p>उत्तर- (d) • व्याख्या चित्रकला की मुगल शैली की नींव हुमायूँ के शासनकाल में पड़ी। अपने निर्वासन के दौरान उसने मीर सैयद अली और अब्दुस्समद नामक दो फारसी चित्रकारों की सेवाएँ प्राप्त की, जिन्होंने मुगल चित्रकला का शुभारम्भ किया।</p> |

| | |
|---|--|
| <p>99. महोदया किसका पुराना नाम है?</p> <p>(a) इलाहाबाद (c) कन्नौज (b) खजुराहो (d) पटना</p> | <p>उत्तर- (c) व्याख्या- कन्नौज का पुराना नाम महोदया तथा कान्यकुब्ज है। हर्ष के काल में चीनी यात्री ह्वेनसांग कन्नौज आया था। यहाँ से काले मृद्भाण्ड संस्कृति के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं</p> |
| <p>100. निम्नलिखित में से किसे 'हिन्दी खड़ी बोली का जनक' माना जाता है?</p> <p>(a) अमीर खुसरो (c) कबीर (b) मलिक मुहम्मद जायसी (d) अब्दुर्रहीम खान-ए-खाना</p> | <p>उत्तर- (a)</p> <p>व्याख्या - हिन्दी खड़ी बोली का जनक अमीर खुसरो को माना जाता है। अमीर खुसरो को 'तोता-ए-हिन्द' भी कहा जाता है।</p> |

101. निम्नलिखित में से किसने प्रमुख रूप से विधवा पुनर्विवाह के लिए संघर्ष किया और उसे कानूनी रूप से वैध बनाने में सफलता प्राप्त की?

- (a) एनी बेसेन्ट
- (b) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
- (c) एम जी रानाडे
- (d) राजा राममोहन राय

उत्तर-(b) · व्याख्या- विधवा पुनर्विवाह की स्थिति में सुधार लाने के लिए ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने अथक प्रयत्न किया। 1855 ई. में विद्यासागर ने ब्रिटिश सरकार से विधवा पुनर्विवाह पर कानून बनाने का अनुरोध किया। पश्चिम भारत में विष्णुशास्त्री और कर्ण विधवाओं के कल्याण से जुड़े अन्य नेता थे।

पीडीएफ डाउनलोड करने के लिए

<https://www.examhindiofficial.com>

देखने और सब्सक्राइब करने के लिए धन्यवाद